बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 225 ● नई दिल्ली ● सोमवार 08 सितम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर होगी 'नमो युवा रन', खेल मंत्री बोले- ये फिटनेस और जागरूकता का संगम

नई दिल्ली । पीएम मोदी के जन्मदिन को मनाने के लिए कई मंत्रालय और राज्य सरकारें अलग-अलग ढंग से मनाने में जुटी हैं. इसी बीच भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने बड़ा एलान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन को खास तरीके से मनाने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा 'नमो युवा रन' का आयोजन करेगा। इस आयोजन में देशभर के 75 स्थानों पर करीब 10 से 15 हजार युवा एक साथ दौड़ेंगे। कुल मिलाकर 10 लाख युवाओं की भागीदारी होगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'नशा मुक्त भारत' का संदेश देना है। इस मौके पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया भी मौजूद रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल युवाओं को नशे से दूर कर स्वस्थ भारत बनाने में मददगार साबित होगी।

रिपब्लिकन मज़दूर संगठन ने प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव को उनका चित्र भेंट कर सम्मानित किया

नई दिल्ली (ए.के.चौधरी) दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय राजीव भवन में ब्लॉक अध्यक्षों के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष देवेंद्र यादव, किराड़ी जिले के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार और रोहिणी जिले के अध्यक्ष इंदजीत सिंह सहित वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व कर्यकुता सम्मिलित रहे

देवेंद्र यादव को उनका चित्र भेंट कर रिपब्लिकन मजदूर संगठन के अध्यक्ष विजय कुमार भारती ने उनका चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मजदूर संगठन के पदाधिकारी और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भी उपस्थित थे।

ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मान *- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्ष देवेंद्र यादव को किराड़ी और रोहिणी जिले के अध्यक्षों ने सम्मानित किया।

चित्र भेंट-विजय कुमार भारती ने देवेंद्र यादव को उनका चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया और ब्लॉक अध्यक्षों के साथ चर्चा की। यह आयोजन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच एकता और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। छाया- इंद्रजीत सिंह

चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई, राजनीतिक दलों ने दायर की हैं याचिकाएं

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिनमें चुनाव आयोग द्वारा 24 जून को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं में राजनीतिक दलों की याचिकाएं भी शामिल हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले में सुनवाई करेगी। इसमें राजद, एआईएमआईएम और अन्य याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग के उस नोट पर जवाब दाखिल किया है, जिसमें आयोग ने कहा था कि बिहार की 7.24 करोड़ मतदाता सूची में से 99.5फीसदी मतदाताओं ने अपनी पात्रता से जुड़े दस्तावेज जमा कर दिए हैं। 22 अगस्त को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से बाहर हुए मतदाता ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से अपने दावे और आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद भी कई राजनीतिक दलों ने समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी। 1 सितंबर की सुनवाई में चुनाव आयोग ने अदालत को बताया था कि दावे, आपत्तियां और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दाखिल किए जा सकते हैं, लेकिन इन पर विचार केवल अंतिम मतदाता सूची तैयार होने के बाद ही होगा। आयोग ने कहा था कि अंतिम नामांकन तिथि तक दावे और आपत्तियां दाखिल की जा सकती हैं।

अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होगी

शीर्ष अदालत ने बिहार एसआईआर को लेकर व्याप्त भ्रम को मुख्यतः विश्वास का मामला बताया और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने में व्यक्तिगत मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे। चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के शेड्यूल में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि 1 सितंबर तय की थी और कहा था कि अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होगी। शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों से चुनाव आयोग के नोट के जवाब में अपने जवाब दाखिल करने को कहा था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि पैरालीगल स्वयंसेवक संबंधित जिला न्यायाधीशों को एक गोपनीय रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे और राज्य के एकत्रित आंकड़ों पर 8 सितंबर को विचार किया जाएगा। उसने कहा था कि चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर से संबंधित 24 जून के आदेश में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा और मसौदा सूची से नामों को बाहर करने के लिए दायर आपत्तियों को उच्च दर पर चिंता व्यक्त की थी। अदालत ने कहा था, राजनीतिक दलों को खुद को सक्रिय करने की आवश्यकता है और मामले की सुनवाई 8 सितंबर के लिए स्थगित कर दी थी। राजद ने अधिवक्ता फौजिया शकील के माध्यम से और एआईएमआईएम ने अधिवक्ता निजाम पाशा के माध्यम से दायर याचिका में चुनावी राज्य बिहार में चुनाव पुनरीक्षण प्रक्रिया में दावे और आपत्तियां दायर करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की है। 2003 के बाद पहली बार हो रही विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ से घटकर 7.24 करोड़ रह गई है।

हमारे किसानों से कपास खरीदने वाला कोई नहीं होगा, 11 परसेंट आयात शुल्क हटाए जाने पर बोले अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर मोदी सरकार को घेरा है. उन्होंने कपास पर आयात शुल्क कम करने के फैसले को किसान पर बड़ा बोझ बताया है और कहा है कि इससे किसानों के पास आत्महत्या के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा. अरविंद केजरीवाल का कहना है, ÷हमारे देश के किसानों की कपास बिक जाती थी, लेकिन अमेरिका की कपास नहीं बिकती थी. मोदी सरकार ने 19 अगस्त से 11 परसेंट ड्यूटी हटा दी है.

अमेरिका की कपास भारत के किसानों से 15-20 रुपये प्रति किलो सस्ती हो जाएगी. जब हमारे किसान अक्टूबर नवंबर में कपास लेकर जाएंगे तो उन्हें पता चलेगा कि उनके कपास खरीदने वाला कोई नहीं है. अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, अमेरिका की कपास हमारे देश के किसानों की कपास से सस्ती हो

जाएगी. टेक्सटाइल कंपनियों ने अमेरिका का कपास ऑर्डर कर दिया है.

किसानों के पास आत्महत्या करने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा. अरविंद केजरीवाल ने कहा, लोग सवाल पूछ रहे हैं कि मोदी जी ने किसानों को बर्बाद करने वाला ये फैसला क्यों लिया? सच जो भी हो, लेकिन नुकसान सिर्फ हिंदुस्तान के किसानों का हो रहा है. आप के राष्ट्रीय संयोजक ने आगे कहा, जितनी टेक्सटाइल कंपनियां हैं, उन्होंने बहुत बड़े स्तर पर अमेरिका से कपास मंगानी शुरू कर दी है. केंद्र सरकार ने यह ड्यूटी पहले 40 दिन के लिए हटाई थी, लेकिन अब इसे एक्सटेंड कर दिया गया है. अब हमारे किसानों की कपास बिकने का कोई चारा नहीं बचा है. उन्होंने आगे कहा, ÷हमारे देश का किसान कर्जा लेकर बीज और खाद खरीद चुका है. मजदूरी के पैसे दे चुका है. अब वह कहां जाएगा? कर्जा कैसे चुकाएगा? 2013 में गुजरात में लगभग 1500-1700 रुपये प्रति 20 किलो के हिसाब से किसानों को दाम मिलते थे. उस वक्त 2014 चुनाव के पहले मोदी ने कहा था कि यह बहुत कम है, इसे 2500 होना चाहिए. अब 1500 से भी नहीं मिलते. उससे भी 300 रुपये कम... 1200 रुपये मिलने लगे हैं जबकि सब चीजों के दाम बढ़ चुके हैं. अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि एक बार अमेरिका की कपास आ गई तो भारत के किसानों को 900 रुपये से भी कम मिलने लगेंगे. एक तरह से अमेरिका के किसानों को मालामाल किया जा रहा है और पंजाब के किसानों को कंगाल किया जा रहा है.

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा, लोगों को उमस से मिली राहत

नई दिल्ली ।

दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में रविवार दोपहर में बारिश देखने को मिली। जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। इससे पहले सुबह से अच्छी धूप खिली थी। दोपहर होते-होते आसमान में बादल छा गए और तेज बारिश होने लगी।

मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश की संभावना जताई थी।

वहीं, शनिवार को यादातर इलाकों में सुबह से ही तेज धूप खिली रही। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी का अहसास हुआ। दोपहर के समय कुछ इलाकों में घने बादल आने के बाद कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में अब तेज बारिश के आसार नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को मयूर विहार में 15, रिज में 5.7 और लोधी रोड में बारिश ट्रेस की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य के साथ 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 92 से 66 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी हल्की स्तर की वर्षा होने की संभावना जताई थी। इस दौरान आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद जताई थी।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल फिर होगी शुरू, 8 सितंबर से स्ट्राइक, पुलिस की अदालत में व्यक्तिगत मौजूदगी पर अड़े

नई दिल्ली । दिल्ली की सभी जिला अदालतों की बार एसोसिएशन की समन्वय समितियों ने साफ कर दिया है कि वकीलों की आठ सितंबर से शुरू होने वाली हड़ताल को न तो टाला जाएगा और न ही वापस लिया जाएगा. यह हड़ताल पुलिस द्वारा थानों से ही ऑनलाइन माध्यम से अदालत में साक्ष्य पेश करने के मुद्दे को लेकर हो रही है. नई दिल्ली बार एसोसिएशन (एनडीबीए) की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, शनिवार को समिति की एक बैठक हुई. बैठक में मुख्य मुद्दा यह था कि पुलिसकर्मियों को गवाही, साक्ष्य के लिए अदालतों में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होना चाहिए, न कि ऑनलाइन. सूचना में कहा गया, ''हम अपनी मांग पर अडिग हैं और दोहराते हैं कि पुलिसकर्मियों को गवाही, साक्ष्य के लिए अदालतों में प्रत्यक्ष रूप से ही उपस्थित होना होगा.'' एनडीबीए सचिव तरुण राणा ने बताया कि शनिवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का एक पत्र मिला. यह पत्र दिल्ली की सभी जिला अदालतों के बार एसोसिएशन के अध्यक्षों और सचिवों को संबोधित था, जिसमें आंदोलन को वापस लेने का अनुरोध किया गया था. एनडीबीए की ओर से जारी बयान में राणा ने कहा, ''हालांकि, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि समन्वय समिति ने आम जनता के हितों की रक्षा के लिए यह आंदोलन शुरू किया है, और जब तक हमारी उचित मांग पूरी नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा.'' एनडीबीए सचिव तरुण राणा ने बयान में आगे कहा कि ''यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि यदि गवाही, साक्ष्य पेश करने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों की अदालत में व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित नहीं की जाती, तो हम आठ सितंबर से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार के अपने निर्णय पर कायम रहेंगे, तथा यह आंदोलन और तेज किया जाएगा.

बीमा लोन के नाम पर लाखों की ठगी, दिल्ली पुलिस ने दो शातिरों को दबोचा

नई दिल्ली ।दिल्ली की साइबर क्राइम टीम ने ऑनलाइन ठगी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. ये दोनों आरोपी नामी फाइनेंस और बीमा कंपनियों के नाम पर लोगों को आकर्षक शर्तों पर लोन का लालच देते थे और फिर बीमा पॉलिसी व अन्य शुल्क के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लेते थे. पुलिस ने आरोपियों की पहचान रवि और प्रीतम सिंह के रूप में की है. दिल्ली पुलिस के अनुसार यह मामला तब सामने आया जब जौहरपुर निवासी वसीम, जो गाजियाबाद में डेयरी का कारोबार करते हैं, ठगी का शिकार बने. 25 फरवरी को उन्हें एक कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद को एक प्रसिद्ध फाइनेंस कंपनी का प्रतिनिधि बताया और बेहद आसान शर्तों पर लोन का प्रस्ताव दिया. वसीम ने हामी भर दी. इसके बाद ठगों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि लोन मंजूरी के लिए बीमा पॉलिसी लेना जरूरी है.

पीड़ित को विश्वास दिलाने के लिए आरोपियों ने नकली बीमा पॉलिसियां भी भेजीं. धीरे-धीरे प्रोसेसिंग फीस, बैंक चार्ज और पॉलिसी शुल्क के नाम पर उनसे करीब 2 लाख 15 हजार रुपये वसूल लिए गए, लेकिन जब लोन की रकम उनके खाते में नहीं आई और कॉल करने वालों के फोन बंद हो गए, तब वसीम को अहसास हुआ कि वे ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई. इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के दौरान उनके पास से अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए. पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया. उन्होंने बताया कि वे पहले एक नामी बीमा कंपनी के कॉल सेंटर में काम कर चुके हैं. वहीं से उन्हें बीमा और लोन की प्रक्रिया की बारीक जानकारी मिली. इसी जानकारी का इस्तेमाल कर उन्होंने ठगी का नेटवर्क खड़ा किया. वे लोगों को पहले भरोसा दिलाते और फिर अलग-अलग शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठ लेते थे. वसूली गई रकम को दोनों आपस में बांट लेते थे. दिल्ली पुलिस अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या इन दोनों के तार किसी बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह से जुड़े हैं और अब तक कितने लोगों को ठगा जा चुका है.

शादी के बारे में न बताना यौन संबंध बनाने को मजबूर करना नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बलात्कार के आरोपी एक सैन्य अधिकारी को राहत देते हुए विवाह की वर्तमान स्थिति की जानकारी न देने जैसे मुद्दों पर अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अगर यह मान भी लिया जाए कि याचिकाकर्ता ने वैवाहिक स्थिति की जानकारी न देकर शिकायतकर्ता को धोखा दिया है, तो भी यह नहीं कहा जा सकता कि शिकायतकर्ता को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया था। न्यायमूर्ति नीना कृष्ण बंसल की पीठ ने यह भी पाया कि शिकायत में दिए गए तथ्यों से स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के बीच सहमति से शारीरिक संबंध बने थे। सेना अधिकारी को अग्रिम जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि महिला का आरोप है कि पैसों के लिए उसका जबरन शोषण किया गया, जबकि रिकॉर्ड में पेश किए गए तथ्यों से पता चलता है कि सभी लेन-देन दस्तावेज में दर्ज हैं। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने लिए गए पैसे वापस करने की पेशकश की थी, लेकिन शिकायतकर्ता खाता संख्या साझा करने को तैयार नहीं थी। अदालत ने रिकॉर्ड में दर्ज किया कि इंटरनेट मीडिया पर मुलाकात के बाद, दोनों पक्ष पहली बार जुलाई 2024 में नई दिल्ली के एरोसिटी स्थित एक होटल में मिले और यहीं पर याचिकाकर्ता

को अपने और लड़की के बीच उम्र के अंतर के बारे में पता चला। इसके बाद, उसने इस रिश्ते को आगे न बढ़ाने की इच्छा जताई। अदालत ने कहा कि मामले में आरोपपत्र दाखिल हो चुका है और जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं, वे याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने का मामला बनाते हैं। याचिका के अनुसार, 28 वर्षीय याचिकाकर्ता जम्मू-कश्मीर राइफल्स में तैनात है और मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का रहने वाला है, जबकि लड़की मूल रूप से अयोध्या की रहने वाली है। फरवरी 2024 में उसकी मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिए लड़की से हुई और फिर दोनों करीब आ गए। हालांकि, जुलाई 2024 से पहले उनकी व्यक्तिगत मुलाकात नहीं हुई। इसके बाद, हिमाचल से असम जाते समय सेना अधिकारी दिल्ली में रुका। इस पर लड़की ने उसे एरोसिटी स्थित एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। वहाँ पहुँचने पर सेना अधिकारी को अपने और लड़की के बीच उम्र के बड़े अंतर के बारे में पता चला, जिसे लड़की ने छुपाया था। इस पर उसने रिश्ता ठीक से खत्म करने की इच्छा जताई।

हालांकि, दोनों के बीच भावनात्मक बातचीत के बाद, वे कुछ देर एक होटल में रुके। वहीं, लड़की का आरोप है कि याचिकाकर्ता ने उसे अपने तलाक के बारे में नहीं बताया और उसका यौन शोषण किया। बाद में, युवक ने दिसंबर 2024 में लड़की को सभी इंटरनेट मीडिया से ब्लॉक कर दिया।

महात्मा ज्योतिराव फुले और माता सावित्रीबाई फुले जी को शिक्षक दिवस पर सादर नमन

ये जिन्दगी अभी भी इन्ही के नाम की है,

ये जिन्दगी अभी भी किसी के काम की होगी,

दिल मे दिये हुए किसी पैगाम की होगी, आज का दिन बड़ा है प्राकृतिक और अद्भुत है वंचित वर्गो ,महिलाओं और पिछड़ वर्गो लिए पहला महिलाओं के शिक्षा का द्वार खोलने का अद्भुत प्रयोग कर जन जागृति फैलाकर जो मिसाल कायम करने वाले महान राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिराव फुले और माता सावित्रीबाई फुले जी को शिक्षक दिवस पर सादर नमन।

और दूसरी तरफ बिहार मे जन क्रांति दलित, शोषित, वंचित और समाजवादी विचारधारा के बिहार लेनिन जगदेव बाबू के नाम पर होगी।

शहादत दिवस शहीद जगदेव प्रसाद जी 5 सितम्बर

बिहार के नामी हस्तियो की विरासत मे जगदेव प्रसाद की शहादत को बिहार के शोषित, वंचित पिछड़ा वर्ग और समाजवादी नहीं भूलेगा। उन्होंने गरीब तथा वंचित समाज की आवाज को उठाने के लिए पूरी जिन्दगी संघर्ष करते रहे। बिहार का इकलौता नेता जगदेव प्रसाद को माना जाता है जिन्हे शहीद की उपाधि दी गई है।

बिहार लेनिन के नाम से सुविख्यात जिन्होंने एक अच्छे समाज को गढ़ने मे जो जान लगा दिया। इनका जन्म 2 फरवरी 1922 को जहानाबाद के समीप कुर्था प्रखंड के कुरहरी ग्राम मे हुआ था। इनके पिता -प्रयाग नारायण- प्राथमिक विद्यालय मे शिक्षक थे और माता रासकली अनपढ़ थी। अपने पिता के मार्गदर्शन मे बालक -जगदेव प्रसाद- ने मिडिल की परीक्षा पास की। हाईस्कूल की परीक्षा जहानाबाद से पासकर स्नातक के लिए पटना विश्वविद्यालय और स्नातकोत्तर की परीक्षा पास किये। वे संघर्षशील, जुझारू और विद्रोही स्वभाव के थे।

चन्द्रदेव ने जगदेव बाबू को विभिन्न किताबों को पढ़ने, जानने और सुनने के लिए प्रेरित किया। वे सामाजिक, राजनीतिक गतिविधियों मे शामिल होकर राजनीति के तरफ प्रेरित हुए। और सोशलिस्ट पार्टी से जुड़ गए। और पार्टी को मुखपत्र % जनता % का संपादन किया। उन्होंने एक संपादक पत्रकार की हैसियत से दलित, पिछड़े, शोषितों की समस्याओं के बारे मे खूब लिखा। 1955 मे हैदराबाद जाकर अंग्रेजी साप्ताहिक % सिटिजन % और हिन्दी साप्ताहिक % उदय % का संपादन आरंभ किया। जगदेव बाबू अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। संपादक पद से त्यागपत्र देकर पटना वापस लौटे और समाजवादियों के साथ आंदोलन शुरू किया।

बिहार मे समाजवादी आंदोलन की बयार जिसमे जे पी तथा लोहिया के बीच सैद्धांतिक मतभेद था। जब जेपी ने डॉ राममनोहर लोहिया का साथ छोड़ दिया तो बिहार मे जगदेव बाबू ने डॉ लोहिया का साथ दिया और सोशलिस्ट पार्टी के संगठनात्मक ढाँचे को मजबूत किया।

समाजवादी विचारधारा का देशीकरण करके घर- घर पहुँचा दिया।

जगदेव बाबू ने 1967 के विधान सभा चुनाव मे संसोपा, 1966 मे प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और सोशलिस्ट पार्टी का एकीकरण हुआ। और कुर्था से उम्मीदवार के रुप मे जोरदार जीत दर्ज की।

स्वतंत्र बिहार के इतिहास मे पहली बार % संविद सरकार % बनी तथा महामाया प्रसाद सिन्हा जी को मुख्यमंत्री बनाया गया। जगदेव बाबू और कर्पूरी

ठाकुर की सुझ - बुझ से पहली गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। लेकिन पार्टी की नीतियों और विचारधारा के मसले पर डॉ लोहिया से अनबन हुई और % कमाए धोती वाला और खाए टोपी वाला % की स्थिति देखकर संसोपा छोड़कर 25 अगस्त 1967 को %शोषित दल% नाम से नई पार्टी बना। उस समय अपने भाषण में कहा था -- जिस लड़ाई की बुनियाद आज मैं डाल रहा हूं वह लंबी और कठिन होगी।

चूंकि मै एक क्रांतिकारी पार्टी का निर्माण कर रहा हूं इसलिए इसमे आने - जाने वालो की कमी नहीं रहेगी, परन्तु इसकी धारा रुकेगी नहीं। इसमे पहली पीढ़ी के लोग मारे जायेंगे, दूसरी पीढ़ी के लोग जेल जायेंगे तथा तीसरी पीढ़ी के लोग राज करेंगे। जीत अंततोगत्वा हमारी ही होगी -

जगदेव बाबू एक महान राजनीतिक दूरदर्शी थे वे हमेशा शोषित समाज की भलाई के बारे मे सोचा। इसके लिए, उन्होंने पार्टी और विचार धारा किसी को महत्व नहीं दिया।

मार्च 1970 मे जगदेव बाबू के दल के समर्थन मे दरोगा प्रसाद राय मुख्यमंत्री बने। बिहार मे राजनीति का प्रजातंत्रीकरण को स्पष्ट रुप देने के लिए उन्होंने सामाजिक - सांस्कृतिक क्रांति की आवश्यकता महसूस किया। वे रामस्वरूप वर्मा द्वारा स्थापित % अर्जक संघ % मे शामिल हुए। 7 अगस्त 1972 को शोषित दल तथा रामस्वरूप वर्मा जी की पार्टी समाज दल का एकीकरण हुआ और शोषित समाज दल नामक नयी पार्टी का गठन किया गया।

एक दार्शनिक तथा एक क्रांतिकारी के संगम से पार्टी मे नई ऊर्जा का संचार हुआ। जगदेव बाबू पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री के रुप मे जगह - जगह तूफानी दौरा आरंभ किया। वे नये - नये जनवादी नारे गढ़ने मे निपुण थे। इनके भाषण प्रभावशाली होते थे। जहानाबाद की सभा मे उन्होंने कहा था -- दस का शासन नब्बे पर नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। सौ मे नब्बे शोषित है, नब्बे भाग हमारा है।

धन - धरती और राजपाट मे नब्बे भाग हमारा है। -

इसी समय बिहार मे कांग्रेस की तानाशाही सरकार के खिलाफ जे पी के नेतृत्व मे विशाल छात्र आंदोलन शुरू हुआ और राजनीति को एक नयी दिशा -दशा का सूत्रपात हुआ।

मई 1974 को 6 सूत्री मांगो को लेकर पूरे बिहार मे जन सम्पर्क की तथा सरकार पर दबाव डाला गया। लेकिन प्रशासन पर कोई असर नहीं पड़ा। जिसके 5 सितम्बर 1974 से राज्य व्यापी सत्याग्रह शुरू करने की योजना बनी। 5 सितम्बर 1974 को हजारों की संख्या मे शोषित समाज के नेतृत्व करते हुए काला झंडा लेकर आगे बढ़ा। कुर्था मे तैनात डी एस पी ने सत्याग्रहियों को रोका। जगदेव बाबू ने प्रतिवाद किया। अचानक सत्याग्रहियो पर पुलिस ने हमला बोल दिया। लेकिन जगदेव बाबू चट्टान की तरह जमे रहे और क्रांतिकारी भाषण जारी रखा। लेकिन पुलिस ने उनके ऊपर गोली चला दी और गोली सीधे उनके गर्दन मे जा लगी। और कुछ दूरी तक पुलिस अपने जीप मे घसीटे हुए थाना ले गई। पानी - पानी चिल्लाते हुए जगदेव जी ने थाने मे ही अंतिम सांस ली।

ऐसे महान क्रांतिकारी शोषित वंचित समाज के बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव प्रसाद बाबू को सादर नमन।

बिहार राज्य स्वतंत्र मोर्चा

लेखक, अधिवक्ता प्रोफेसर डी एन सिंह आनन्द,

M- 9304904363
विन्देश्वरी प्रसाद ठाकुर , अध्यक्ष,
अति एवं उपेक्षित पिछड़ावर्ग कल्याण संस्थान

सम्पादकीय...

मृतात्माओं का श्राद्ध

पितृपक्ष आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से प्रारंभ होकर अमावस्या को संपन्न होता है। इसमें मृत पूर्वजों का आव्हान कर श्राद्ध कर्म किया जाता है। श्राद्ध करने का अधिकार ज्येष्ठ पुत्र या छोटे पुत्र व नाती को होता है। इस पक्ष में शारीरिक श्रृंगार अथवा तेल नहीं लगाया जाना चाहिए। श्राद्ध में ब्राम्हणों को भोजन कराकर दक्षिणा दी जाती है। श्राद्ध पक्ष में ऐसा माना जाता है कि कोई भी नया काम शुरू नहीं करना चाहिये नये परिधान या नवीन कोई भी कार्य नहीं किया जाता। ऐसा करना अशुभ व हानिकारक माना जाता है। वहीं एकदम इसके उलट यह भी मान्यता है कि इस पक्ष के दौरान मृत्यु को प्राप्त करने वाले की आत्मा सीधे स्वर्ग जाती है। श्राद्ध से तात्पर्य ही सम्मान , प्रकट करना है, चाहे वह मृत हो अथवा जीवित। पितृपक्ष में पितरों की मरण तिथि को ही उनका श्राद्ध किया जाता है। गया (बिहार) में श्राद्ध करने का बड़ा महत्व माना गया है। इसके पार्श्व में एक पौराणिक कथा है, जो इस प्रकार है। एक समय असुरवंश का गयासुर नामक असुर अपनी आसुरी प्रवृत्ति के खिलाफ तप और भगवद्ध्यान में लीन हो गया। यह देखकर उसके मित्रों कुटुंबियों को गहरा आश्चर्य हुआ कि यह गयासुर आखिरकार चाहता क्या है? उसके पास तो धन वैभव, भोग-विलास सभी कुछ तो है, तब उसे और क्या चाहिये कोई समझ नहीं पाया। सबने उसे तप से हटाने का लाख प्रयास भी किया पर असफल ही रहे। उसके निरंतर कठोर तप से आखिर ब्राम्हाजी उसके सामने पहुंचे और कहने लगे- तुम्हारी तपस्या फलीभूत हुई..देखो मैं स्वयं जगत्पिता ब्रम्हा तुम्हारी मनोकामना पूर्ण करने यहां आया हूं। परंतु ब्रम्हाजी की बातों का उस पर तनिक भी असर नहीं हुआ। वह बड़े शांत भाव से बोला- प्रभु आप मेरे पास यहां आये, इसके लिये आपका आभारी हूं, आगे उसने कहा- प्रभ मैं कुछ पाने के लिये तप नहीं कर रहा हूं मैं स्वयं को पवित्र बनाना चाहता हूं। हां, यदि आप मुझसे कुछ चाहें, तो मुझे वह आपको प्रदान करने में महा आत्म संतोष प्राप्त होगा।उसकी बातों से ब्रम्हा भी चकित रह गये। कुछ मांगना छोड़ उलट देने की बात कह रहा है। तब ब्रम्हा ने कहा वत्स मैं बार-बार नहीं आता, तुम जो चाहो मांग लो परंतु उसने कहा प्रभु मुझे लोभ में मत डालियें। मेरा लक्ष्य तो पवित्रता के चरमोत्कर्ष पर पहुंचकर जीवन का समग्र रुपान्तरण करना है। और वह सब तो भगवान की परम चेतना में निमग्न होने से ही संभव है हां, आपने मुझपे बड़ी कृपा की है मैं आपके किसी काम आ सका तो मुझे परम संतोष होगा। ब्रम्हाजी ने कहा अच्छा तुम मुझे देना ही चाहते हो तो अपनी वह विशाल देह मुझे दे दो। मैं तुम्हारे शरीर पर यज्ञ करना चाहता हूं। यह सुन उसने अपने शरीर को तत्क्षण ही ब्रम्हा को दान कर दिया। ब्रम्हाजी उसके शरीर पर वर्षों यज्ञ संपन्न करते रहे, परंतु वह अविचल मृत्यु से दूर था। आखिर इतने कठोर तप के बाद भी कुछ इच्छा नहीं रखना उलटे ब्रम्हा को ही दान देने का साहस उसे पुण्यात्माओं में श्रेष्ठ बना गया था। यही कारण था कि ब्रम्हा भी हैरान हो गये। उन्होंने तब सृष्टि के पालनकर्ता विष्णु को पुकारा। विष्णु जब आए तो उनके चरणों पर गयासुर गिर पड़ा। श्री विष्णु के दर्शन से वह निहाल हो गया। विष्णु ने उससे कहा- वत्स तुम्हारा तप पूर्ण हो गया। मांगों तुम जो चाहो, वह मैं तुम्हें दूंगा।

उसने गद्गद् कंठ से कहा- प्रभु मैंने सिर्फ पवित्रता की चाहत रखी है वही मुझे मिले। विष्णु, भक्त के स्वरों से विव्हल हो गये। कहने लगे, गयासुर तुम परम पवित्र हो, पवित्रतम हो। मेरा वरदान है कि तुम्हारा शरीर जिस क्षेत्र में है, जहां तुमने तप किया है, वह भविष्य में तुम्हारे ही नाम से विख्यात होगा। जग इसे गयाधाम कहकर पुकारेगा। वहां जो भी जब अपने पितरों पुरखों का श्राद्ध करेंगे, वे पितर, मृतात्माएं तुम्हारे पवित्रता के अंश से पवित्र हो जायेंगी, और उन्हें मुक्ति मिलेगी। बस तभी से यह मान्यता चली आ रही है कि पितरों का गया में जाकर श्राद्ध करने से उनकी आत्मायें मोक्ष को प्राप्त हो जाती हैं। इसी कारण वहां एक बार श्राद्ध कर्म करने के बाद दुबारा श्राद्ध करने की आवश्यकता नहीं होती है। पितृपक्ष प्रारंभ होने के पूर्व घर की साफ सफाई लिपाई पुताई की जाती है। कहा जाता है कि पितृपक्ष के पूरे पन्द्रह दिनों के दौरान पूर्वजन मृतकों की आत्माएं अलग -अलग दिनों में पहुंचती हैं। जिसकी मृत्यु जिस तिथि को हुई होती हैं उसका श्राद्ध उसी तिथि करते हैं।वे उसी तिथि को पहुंचते हैं पर कुछ तिथियां भी नियत हैं जैसे सप्तमी और अष्टमी के दिन घर के पुरुष मृतात्माओं के आने का दिन माना गया है। नवमी के दिन छोटी बड़ी स्त्री आत्माओं का आगमन होता हैं। चौदहवें तिथि को बच्चों कुंवारों आदि की आत्मा आती है। पितृपक्ष के प्रथम दिन में पितरों के आगमन हेतु पूजा पाठ कर उनकी आत्मा की संतुष्टी हेतु एक स्वच्छ स्थान पर उनके मनपसंद पकवान रखे जाने प्रारंभ कर दिये जाते हैं। प्रतीक स्वरूप पशुपक्षियों को भी खिलाये जाते हैं ,उनके खा लेने पर आत्माओं ने भोग स्वीकार कर लिया माना जाता है कहा गया है कि पितृपक्ष के दौरान घर अनाज आदि से भरापूरा रहना चाहिये, जिससे बरकत होती है ऐसा नहीं होने पर आने वाली मृतात्माएं कुपित होती हैं। पन्द्रहवें दिन सभी पितरों के नाम से हवन कर पूरे पन्द्रह दिनों के फूल फल इत्यादि को एकत्र करें और जलाशयों में विसर्जित कर दिया जाता है। इस पक्ष के दौरान नित्य प्रातः उठकर घर को स्वच्छकर स्नान करें। एवं एक स्वच्छ स्थान पर गोबर लीपकर चौक (गेंहू के आटे से) बनाकर उसे फूलों से सजाते हैं । फिर, एक आसन में बैठकर तर्जनी ऊंगली कुशा लेकर अपने पितरों का नामोचार करते हुये उन्हें जल अर्पित करते जाते हैं। . इसके पश्चात चंदन, हल्दी, रोली, फूल फल एवं उनके मनपसंद पकवानों के साथ चावल उड़द दाल, तिल, गुड़ शक्कर चढ़ाते है फिर अग्नि देकर धूप करते हैं। इस प्रकार पूजा विधि संपन्न होती है।

किसकी आंधी किसकी चांदी

राहुल गांधी की ताजा बिहार यात्राओं की गूंज ने वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी को भी अपना सुर बदलने पर मजबूर कर दिया है। पहले यही सहनी तेजस्वी संग सीटों को लेकर क्या मोल-भाव कर रहे थे, अपने लिए 40 से 50 सीट मांग रहे थे, अब सहनी ने अपना सुर नरम करते हुए तेजस्वी से कह दिया है कि 'उनकी पार्टी को सम्मानजनक सीटें दे दी जाए।' सूत्र बताते हैं कि सहनी 12-15 सीटों पर मान सकते हैं। उल्टे तेजस्वी ने सहनी को यह हिदायत दे डाली है कि 'वे यानी सहनी वीआईपी के टिकट पर केवल मल्लाह उम्मीदवारों को ही मैदान में न उतारे, बल्कि अति पिछड़ा व पिछड़ा उम्मीदवारों को भी मौका दें।' पिछले विधानसभा चुनाव में सहनी अपनी सीट जीतने में नाकामयाब रहे थे, सो इस बार वह अपनी पुरानी गलतियों से सबक लेकर अपनी सीट पर कोई गलती नहीं करना चाहते, उल्टे वे अपनी पार्टी के टिकट पर अपनी पत्नी और अपने भाई को भी इस बार चुनाव लड़वाना चाहते हैं। वहीं तेजस्वी ने राम विलास पासवान के भाई पशुपति पारस से भी सीटों के तालमेल पर सहमति बना ली है, समझा जाता है कि चिराग के चाचा पशुपति 5-6 सीटों पर मान जाएंगे।

यह बदलते सियासी मौसम की चुप दस्तकें हैं, उन दिलों पर जिन्हें अब तक नजरअंदाज किया जा रहा था, अब उन भाजपा और एनडीए सांसदों की पूछ बढ़ने लगी है। उप राष्ट्रपति चुनाव की घड़ी करीब आ चुकी है, इसमें गुप्त मतदान होता है तो 'क्रॉस वोटिंग' की संभावनाएं भी उसी कदर बलवती हो जाती हैं। चर्चा है कि नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब के मतदान में दरअसल वहां भाजपा के एक प्रत्याशी को पराजय इसलिए झेलनी पड़ी थी क्योंकि कथित रूप से क्रॉस वोटिंग हो गई थी। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार अब उप राष्ट्रपति चुनावों में हर कदम फूंक-फूंक कर रख रहे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा के आउटगोइंग अध्यक्ष नड्डा द्वारा अब उनके सम्मान में एक डिनर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें एनडीए के सांसदों को समझाया जाएगा कि वोट कैसे कास्ट करना है। लिहाजा विपक्ष को बयान दागने का मौका मिल गया है। घाटी में पनपती वंशवादी राजनीति - जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित राज्य में जहां आज भी उप राज्यपाल ही सर्वेसर्वा हैं, वहां अपनी सियासी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए उमर अब्दुल्ला जैसे प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। पिछले दिनों जब जम्मू-कश्मीर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए एक बड़े नेता यहां आए तब भी फोटो फ्रेम में उमर को पीछे रख दिया गया था, वहीं जम्मू-कश्मीर में एक नई वंशवादी राजनीति ने आकार लेना शुरू कर दिया है। सबसे मजे की बात तो यह कि वंशवाद की मुखर विरोधी रही भाजपा के साथ गठजोड़ करने में न तो वंशवाद की झंडाबरदार नेशनल कॉन्फ्रेंस (अब्दुल्ला) और न ही पीडीपी (मुफ्ती) पीछे रही है और भाजपा ने भी मौके-बेमौके इन दोनों पार्टियों को तहेदिल से स्वीकार भी किया है। नई राजनीति के पैरोकार बन कर उभरे उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटों जामिर और जाहिर ने इस विधानसभा चुनावों में अपने पिता के लिए प्रचार करते हुए अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई थी। वहीं महबूबा मुफ्ती की दोनों बेटियां यानी इल्तिजा और इरतिका भी राजनीति के मंच पर कदम रखने की पूरी तैयारियों में है। इल्तिजा ने तो इस विधानसभा चुनाव में अपनी सियासी मंशाओं का शंखनाद भी कर दिया था, पर इसमें उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली, वहीं दूसरी ओर इल्तिजा की बहन इरतिका ने भी अब सोशल मीडिया में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी शुरू कर दी है। सो, जम्मू-कश्मीर की राजनीति में वंशवाद की नई-नई बेल अभी-खासी पनप रही है। संघ बैठक में उपस्थिति को लेकर कयासबाजी : अभी दिल्ली में संघ की तीन दिनों की एक बैठक आहूत थी, इस बैठक में ज्यूडिशियरी के कुछ गणमान्य लोगों की उपस्थिति देखी गई तो तरह-तरह के कयास भी लगाए जाने लगे। बताया जाता है कि इनमें सुप्रीम कोर्ट के कई पूर्व जस्टिस भी शामिल हुए। इसी कड़ी में यह भी चर्चा उभर कर सामने आई कि आंध्र प्रदेश के एक जज की केन्द्र में आने की चर्चा भी है जिसका केन्द्र सरकार द्वारा कालोजियम द्वारा स्वीकृत नाम का विरोध किया जा रहा है। इसी कड़ी में कई अन्य जजों की उपस्थिति को लेकर भी चर्चा है कि वे कहीं न कहीं आरएसएस के यहां भी गहरी पैठ रखते हैं। बिहार में कांग्रेस को 70 सीटें? राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' में जिस तरह महागठबंधन का बिहार में समां बंधा है इससे इसके नेताओं के हौसले बम-बम हैं। बिहारी युवाओं में राहुल की लोकप्रियता देख लालू परिवार भी सकते में हैं, सो अब यह माना जा रहा है कि सीटों के तालमेल को लेकर अब तेजस्वी कांग्रेस के साथ ज्यादा मोल-भाव नहीं करेंगे। वैसे भी पिछले कुछ समय से कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के लोग पूरे बिहार में घूम-घूम कर वहां का चुनावी तापमान माप रहे थे। अभी कुछ रोज पहले कांग्रेस के स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन अजय माकन भी पटना में थे। समझा जाता है कि माकन ने 70 संभावित उम्मीदवारों की एक सूची कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी को सौंपी है। अब तक आमतौर पर यही माना जा रहा था कि बिहार में चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस के पास योग्य उम्मीदवारों का टोटा पड़ा है, सो आनन-फानन में यह लिस्ट तैयार कर माकन इसी भ्रांति को झुठलाने में लगे हैं। ठंडे बस्ते से जोशी बाहर- अभी पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिनों की व्याख्यानमाला आयोजित थी, इस आयोजन में संघ से जुड़े आर्थिक क्षेत्र के 6 संगठन व 80 प्रतिनिधि शिरकत कर रहे थे। इस आयोजन में सबसे हैरान करने वाली बात थी कि डॉ. मुरली मनोहर जोशी का प्रादुर्भाव। डॉ. जोशी ने मोदी सरकार की नीतियों व इसके 11 साल के कामकाज को लेकर 70 पेज की एक वृहत रिपोर्ट पेश की और बताया कि कैसे इन ग्यारह सालों में मध्यम वर्ग की कमर टूटी है, गरीब और गरीब होता गया है और कुछ चुनींदा अमीरों की संपत्तियों में दिन दुना रात चौगुना दर से प्रगति हुई है। इसके बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत की बोलने की बारी आई तो कहते हैं कि चुटकी लेकर उन्होंने बेखटके कह दिया- 'जोशी जी ने सब बोल ही दिया है तो अब मेरे बोलने के लिए क्या खास बचा है।' सहनी के सुर बदले राहुल गांधी की ताजा बिहार यात्राओं की गूंज ने वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी को भी अपना सुर बदलने पर मजबूर कर दिया है। पहले यही सहनी तेजस्वी संग सीटों को लेकर क्या मोल-भाव कर रहे थे, अपने लिए 40 से 50 सीट मांग रहे थे, अब सहनी ने अपना सुर नरम करते हुए तेजस्वी से कह दिया है कि 'उनकी पार्टी को सम्मानजनक सीटें दे दी जाए।' सूत्र बताते हैं कि सहनी 12-15 सीटों पर मान सकते हैं। उल्टे तेजस्वी ने सहनी को यह हिदायत दे डाली है कि 'वे यानी सहनी वीआईपी के टिकट पर केवल मल्लाह उम्मीदवारों को ही मैदान में न उतारे, बल्कि अति पिछड़ा व पिछड़ा उम्मीदवारों को भी मौका दें।' पिछले विधानसभा चुनाव में सहनी अपनी सीट जीतने में नाकामयाब रहे थे, सो इस बार वह अपनी पुरानी गलतियों से सबक लेकर अपनी सीट पर कोई गलती नहीं करना चाहते, उल्टे वे अपनी पार्टी के टिकट पर अपनी पत्नी और अपने भाई को भी इस बार चुनाव लड़वाना चाहते हैं। वहीं तेजस्वी ने राम विलास पासवान के भाई पशुपति पारस से भी सीटों के तालमेल पर सहमति बना ली है, समझा जाता है कि चिराग के चाचा पशुपति 5-6 सीटों पर मान जाएंगे। राहुल गांधी ने भले ही अपनी 'वोट अधिकार यात्रा' से बिहार में समां बांध दिया हो, पर उनके साथ उनकी इस यात्रा में कहीं भी पार्टी के सीनियर नेता साथ नजर नहीं आए। राहुल गांधी की पिछली 'भारत जोड़ो यात्रा' के सारथी रहे दिग्विजय सिंह से जब अपनी अवहेलना सही नहीं गई तो एक दिन अचानक राहुल की बिहार यात्रा के दौरान वे भी पटना आ पहुंचे, उन्हें उम्मीद थी कि राहुल या फिर उनकी मंडली जरूर उनकी सुध लेगी, पर उनका आना किसी ने नोटिस ही नहीं किया। जब दिग्विजय को पार्टी की ओर से पटना में कोई भी रिस्पांस नहीं मिला तो वे उल्टे पैर उसी रोज दिल्ली लौट आए-बड़े बेआबरू होकर कूचे से बाहर निकल कर।

महिलाएं अब भी साक्षर व शिक्षित हो रही हैं

साक्षरता और अंततः शिक्षा आज हमारी एक महती आवश्यकता और व्यक्तित्व निर्माण सर्वांगीण विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यक जरूरत है। सर्वप्रथम तो सवाल उठता है कि शिक्षा हम मनुष्यों के जीवन में - क्यों आवश्यक है और साक्षरता एवं शिक्षा को क्यों महत्व दें? इसके उत्तर में हम कह सकते हैं कि शिक्षा (साक्षरता) हमें राष्ट्र समाज, समुदाय और अंततः परिवार मे प्रेम, सहृदयता, सहयाग, सहानुभूति, इमानदारी, व्यक्तित्व निर्माण, कर्तव्यपालन आदि सदगुणों से परिचय कराती है। अब सवाल उठता है। कि साक्षरता क्या सिर्फ पुरुषों की बपौती है क्या महिलाओं को साक्षर होने का अधिकार नहीं है ? मानवता का संदेश देने वाले आचार्य विनोबा भावे का इस संबंध में कथन है। शिक्षा जीवन के बीच से आनी चाहिए और साक्षरता का अधिकार स्त्री पुरुषों को समान रूप से प्राप्त होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से महिला साक्षरता शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह एक बेहद सुखदकारी स्थिति है । अंतर्राष्ट्रीय बालिका वर्ष में भी बालिकाओं को शिक्षा की दिशा में प्रशंसनीय कार्य हुआ था किंतु इन सबसे भी ऊपर बालिका शिक्षा के लिए वर्ष 1660 को ही सुखद स्मृति के रूप में याद किया जायेगा जिसके तहत दत्तक पुत्री शिक्षा योजना बालिका साक्षरता अभियान महिला आक्षरता में अत्यधिक ध्यान देकर इन्हें कार्यरूप प्रदान किया गया। जिसे इस योजना का लाभ उठाकर आज ऐसी अनेक महिलाएं निरक्षरता के गहन अंधकार से बाहर निकल सकीं हैं जो आर्थिक अभाव के कारण या तो कभी स्कूल जा ही नहीं पाती या जाती भी हों तो उन्हें बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ती थी। कमोवेश छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों में भी बालिकाओं की यही स्थिति है। अनुमान के अनुसार देश मे तीस प्रतिशत से भी अधिक ऐसी महिलाएं हैं जो परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से अपनी स्कूली शिक्षा तक पूरी नहीं कर पाती। अनेकों महिलाएँ तो कभी स्कूल का मुंह भी नहीं देख पाती। छोटे जिलों या कस्बों में हालांकि इस दिशा में जन जागृति आनी अभी बाकी है किंतु इस दिशा में सरकार, संस्थाओं के प्रयास निरंतर चल रहे हैं देखें वे अपने उद्देश्य में कहां तक सफलीभूत होती है इतना तो हम जानते ही हैं कि साक्षरता शिक्षा समाज की संस्कार व्यवस्था है। आज का समाज एक प्रतियोगी श्रेष्ठता को स्थापना इसके लिए ये परम आवश्यक है कि एक प्रतियोगी को जन्म देने वाली माता जो उसे पालती पोसती है बड़ा करती है।उसमें भी श्रेष्ठता का गुण अनिवार्य होना जरूरी है जैसे टेढ़े मेढ़े पौधे की लकड़ी कोई काम की नहीं होती, अर्थात जब एक महिला ही सुसंस्कृत नहीं हो पायेगी तो वह श्रेष्ठ प्रतियोगी और संस्कारवान भविष्य कैसे दे सकती है- मुझे सुशिक्षित माताएं मिले तो मैं एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण कर सकता हूं। नेपोलियन की यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है जितनी की कल किसी राष्ट्र के सुदृढ़ निर्माण मे सुशिक्षित और सुसंस्कृत महिलाओं की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है ।

ज्ञान की पहली सीढ़ी साक्षरता है। मानवता में मानवीय गुणों का आविर्भाव भी साक्षरता से संभव है । इस दृष्टि से इसे जीवन का मार्ग दर्शी प्रकाश भी निरुपित किया गया है । आशा है महिलाओं में पूर्ण साक्षरता के माध्यम से निरक्षरों के उत्थान में समुचित राष्ट्र उत्थान के लिए नई ज्योति का जो ज्योतिपुंज प्रज्वलित किया गया है। वह अब निरंतर गतिशील और प्रकाशवान रहेगा। इस दिशा में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के निर्देशानुसार संपूर्ण राष्ट्र में महिला कार्यशाला का भी आयोजन जगह जगह किया जा रहा है। इसमें देश की प्रतिष्ठित अनेक महिलाओं ने अपनी भागीदारी के साथ समाज में महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ करने की दिशा में विशेष काम किया है इनके अथक प्रयासों का ही सुखद परिणाम है कि 68122 निरक्षर महिलाओं में से 60204 महिलाओं को साक्षर बना दिया गया है। (उपरोक्त आंकड़े - मध्यप्रदेश से संबंधित हैं।) अंततः अपनी बात- अब तक तो हमने महिलाओं में (शिक्षा) साक्षरता समान रूप से दिये जाने की दिशा में जो कुछ भी सफलता पायी है वह तो कुछ भी नहीं है यह तो सिर्फ शुरुवाती पहल है। अभी तो हमें बहुत कुछ करना बाकी है। महिलाओं में समान रूप से साक्षरता के माध्यम से बाकी है, देश को सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में द्रुतगति से आगे बढ़ाना होगा और समस्त जन खुशहाल शिक्षित और स्वस्थ हो ऐसी परिस्थितियों का निर्माण करना होगा। महिला साक्षरता (शिक्षा) के माध्यम से देश की सर्वांगीण विकास पर भी जोर देना चाहिए। इस संबंध में मैं सबसे ज्यादा जोर देश में शत प्रतिशत साक्षरता तथा शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि पर भी देना चाहूंगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि महिलाओं में साक्षरता नाममात्र की हो उसके साथ उपयोगी शिक्षा को भी जोड़ा गया। कैसी योजनाएं व लक्ष्य बनाये जायें कि अमुक सन् तक देश के सभी जन कम से कम प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर जायें तथा अमुक सन् तक सभी कम से कम माध्यमिक शिक्षा पायें हुए हों ।

मेरा यह मतलब नहीं कि शासन अन्य सभी कार्य छोड़कर केवल इसी में लग जाये।अन्य योजनाएं व कार्यक्रम भी अवश्य चलते रहें। पर सर्वाधिक प्रधानता महिलाओ में साक्षरता को ही देनी चाहिए। एक शिक्षित देश ...राष्ट्र और यहां तक कि शिक्षित महिलाएं ही देश के सर्वांगिण विकास को तेज कर सकती है। और इसके लिए हम आप सभी को प्रयत्न करना ही होगा।

विज्ञान पुत्रः प्रेरणा और महानता की एक यात्रा

भारत की आधुनिक वैज्ञानिक यात्रा में यदि किसी व्यक्तित्व ने जनमानस पर गहरा प्रभाव छोड़ा है तो वे हैं मिसाइल मैन और भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम। सरल जीवन, महान उद्देश्य और युवाओं को प्रेरित करने वाला व्यक्तित्वइन्हीं से उनकी पहचान है। लेखक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने अपनी पुस्तक विज्ञान पुत्र- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम में उनके बचपन से लेकर राष्ट्रपति बनने तक की यात्रा को अत्यंत सरल, प्रेरणादायी और तथ्यपरक ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक केवल जीवनी नहीं बल्कि एक मार्गदर्शक है, जो बताती है कि कैसे साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी अपने समर्पण, साधना और ज्ञान की शक्ति से असाधारण ऊंचाइयाँ छू सकता है। पुस्तक विज्ञान पुत्र डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का मुख्य उद्देश्य भारत के मिसाइल मैन और ग्यारहवें राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व और कृतित्व को पाठकों तक सरल और प्रेरणादायी रूप में पहुँचाना है। लेखक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने उनके जीवन के हर पहलू को बड़ी संवेदनशीलता और तथ्यात्मकता से प्रस्तुत किया है। साधारण परिवार में जन्म लेकर कठिन परिस्थितियों के बावजूद विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में महान उपलब्धियाँ हासिल करने वाले डॉ. कलाम का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। लेखक स्वयं पत्रकारिता और साहित्य की दुनिया का जाना-माना नाम है। उन्होंने अब तक 26 पुस्तकें लिखी और संपादित की है। आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए भी उन्होंने अनेक कार्यक्रम और नाट्य रूपांतरण तैयार किए है। उनकी भाषा प्रवाहपूर्ण और सरल है। इसी कारण यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए आकर्षक और उपयोगी बन जाती है। पुस्तक में डॉ. कलाम के बचपन से लेकर राष्ट्रपति बनने तक की यात्रा का विस्तार से वर्णन है। बचपन में पक्षियों को उड़ते देख उनमें भी आकाश छूने की इच्छा जागी। उन्होंने वायुसेना में पायलट बनने का सपना देखा, लेकिन उसमें सफलता न मिलने पर हतोत्साहित होने की बजाय नए अवसरों की ओर बढ़े। उन्होंने वैज्ञानिक अभियान्त्रिकी को चुना और बाद में इसरो तथा रक्षा अनुसंधान संगठन में काम करते हुए भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 के विकास में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद अग्नि और पृथ्वी जैसी स्वदेशी मिसाइलों के विकास का नेतृत्व किया और एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के मुख्य वास्तुकार बने। पोखरण द्वितीय परमाणु परीक्षण में उनकी भूमिका संगठनात्मक और तकनीकी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही। लेखक ने पुस्तक में यह स्पष्ट किया है कि डॉ. कलाम केवल वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि एक महान प्रेरक भी थे। वे बच्चों और युवाओं से सीधा संवाद करना पसंद करते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद भी उन्होंने युवाओं को प्राथमिकता दी और उन्हें राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित कर प्रेरित किया। वे कहा करते थे कि सपने वो नहीं जो सोते समय देखे जाते हैं, बल्कि सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार घाटी ने बन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैंचशीला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार घाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/36662)

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्यभर में पुर्नविकसित हो रहे बसपोर्ट का किया शिलान्यासः ओमेक्स बीटूगेदर करेगा 06 प्रमुख बसपोर्ट का आधुनिकीकरण

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी एवं माननीय परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह जी ने राज्यभर में आधुनिक बसपोर्ट का शिलान्यास किया। इस शिलान्यास कार्यक्रम में बीटुगेदर (ओमैक्स ग्रुप का वेंचर) द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किए जाने वाले 06 बसपोर्ट्स में से चार का शिलान्यास किया गया। इनमें लखनऊ (विभूति खंड, गोमती नगर), गाजियाबाद (ओल्ड), प्रयागराज (सिविल लाइंस) और अयोध्या धाम शामिल हैं। इन चार के अलावा बीटूगेदर लखनऊ (अमौसी) और कौशाम्बी (गाजियाबाद) बसपोर्ट्स का भी विकास करेगा। लगभग रू-2,700 करोड़ के निवेश से बनने वाले ये सभी 06 बसपोर्ट्स यात्री सुविधा और वाणिज्यिक गति विधियों के समन्वय के साथ एकीकृत, भविष्य के लिए तैयार केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन यू.पी.एस.आर.टी.सी. द्वारा किया गया, जिसमें श्री मासूम अली सरवर (आईएएस, प्रबंध निदेशक, यू.पी.एस.आर.टी.सी.) एवं श्री अमित गुप्ता (आईएएस, अध्यक्ष, यू.पी.एस.आर.टी.सी. एवं प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान ओमेक्स बीटूगेदर की ओर से श्री मोहित गोयल (प्रबंध निदेशक, ओमैक्स ग्रुप एवं संस्थापक, बीटूगेदर) तथा श्री सुनील कुमार सोलंकी (प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड, बीटूगेदर) उपस्थित रहे। ओमैक्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं बीटुगेदर के संस्थापक श्री मोहित गोयल ने कहा, यू.पी.एस.आर.टी.सी. द्वारा बसपोर्ट्स के आधुनिकीकरण की पहल उत्तर प्रदेश की शहरी प्रगति और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें गर्व है कि हम 06 बसपोर्ट्स को आधुनिक और एकीकृत ट्रांजिट हब में बदलने में

सहयोग कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ यात्री सुविधाओं को बढ़ाना ही नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक विकास के नए अवसर भी बनाना है। यू.पी.एस.आर.टी.सी. के साथ साझेदारी कर हम राज्य की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के मिशन का हिस्सा बनकर गौरव महसूस कर रहे हैं।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे नए बसपोर्ट्स

नए बसपोर्ट्स पारंपरिक बस टर्मिनलों से कहीं आगे बढ़ कर अगली पीढ़ी के ट्रांजिट हब के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इनमें ऑटोमेटेड टिकटिंग, डिजिटल शेड्यूल बोर्ड, एयर कंडिशन्ड लाउंज, एस्केलेटर, लिफ्ट, स्मार्ट सिक्योरिटी सिस्टम और चार्जिंग स्टेशन जैसी आधुनिक यात्री सुविधाएँ होंगी। इसके साथ ही रिटेल आउटलेट्स, फूड कोर्ट, बैंक्वेट हॉल, स्टूडियो अपार्टमेंट्स और ऑफिस स्पेस जैसी व्यावसायिक गति विधियाँ भी शामिल होंगी, जिससे ये बसपोर्ट्स अपने-अपने शहरों में जीवंत आर्थिक केंद्र बनेंगे। हर परि योजना को प्रमुखरेजिडेंशियल और कमर्शियल सेक्टर्स के आसपास रणनीति के तहत स्थापित किया गया है, जिससे यात्रियों और व्यवसायों को बेहतर कनेक्टिविटी व सुविधाएं मिलें। इन बसपोर्ट्स का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, ओवरऑल डेवलपमेंट और ओमेक्स के अनुभव पर आधारित है, जो न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर की खाई को पाटेगा बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी गति देगा।

बीटूगेदर के बारे मेः

बीटूगेदर, ओमेक्स ग्रुप की एक पहल एवं उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो रणनीतिक सहयोग और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भारत के शहरी एवं आर्थिक विकास को नई दिशा देने पर केंद्रित है। रू-2,700 करोड़ से अधिक के प्रारंभिक निवेश के साथ, बीटूगेदर का उद्देश्य प्रमुख शहरी केंद्रों का आधुनिकीकरण करना और जीवंत, सतत समुदायों का निर्माण करना है।

ओमेक्स ग्रुप के बारे में

सन् 1987 में स्थापित, ओमेक्स लिमिटेड भारत की प्रमुख और विश्वसनीय रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। 2007 में एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध, ओमेक्स ने 31 शहरों और 8 राज्यों में लगभग 140.17 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र का विकास किया है। कंपनी का पोर्टफोलियो आवासीय, वाणिज्यिक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप प्रोजेक्ट्स तक फैला है। ओमेक्स ने ओमेक्स न्यू चंडीगढ़ टाउनशिप, क्लैंड स्ट्रीट (फरीदाबाद), ओमेक्स चैक (चांदनी चैक, दिल्ली) और रॉयल रेजीडेंसी (लुधियाना) जैसे प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स के माध्यम से शहरी परिदृश्य को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। वर्तमान में कंपनी द्वारका में 'द ओमेक्स स्टेट' नामक एक प्रमुख मिश्रित-उपयोग गंतव्य विकसित कर रही है।

बच्चो को फ्रिज में रख सो गई बेरहम माँ

मुरादाबाद।

महानगर में एक महिला द्वारा अपने 15 दिन के दुधमुहे ब'चे को फ्रिज में रखे जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बेरहम माँ बच्चों को फ्रिज में रखने के बाद सोने चली गई। ब'चे के रोने की आवाज सुनकर दादी किचन में पहुंची। उन्हें फ्रिज के अंदर से रोने की आवाज सुनाई दी।

जब दरवाजा खोला, तो उसमें नवजात था। दादी ने उसे बाहर निकाला और डॉक्टर के पास ले गई। ब'चे का चेकअप कराया और फिर घर आ गए। इसके बाद घरवालों ने बच्चे की मां से पूछा तो उसने बताया कि सो नहीं रहा था, इसलिए फ्रिज में रख दिया। मामला कटघर थाना क्षेत्र का है। यहां जब्बार कॉलोनी करुला में एक महिला (23) अपने पति और सास-ससुर के साथ रहती है। महिला का पति पीतल कारीगर है। महिला ने 15 दिन पहले एक बेटे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के बाद महिला किसी बीमारी से ग्रसित हो गई। लेकिन, घरवालों को महिला की इस मानसिक बीमारी के बारे में पता ही नहीं चल पाया। उधर महिला की बीमारी बढ़ती गई। इसके चलते उसने अपने दुधमुहे बेटे को फ्रिज में लिटा दिया। इसके बाद अपने कमरे में सोने चली गई। फ्रिज में जब ठंड लगी, तो नवजात रोने-चिल्लाने लगा। इससे दूसरे कमरे में सो रही महिला की सास की नींद टूट गई। वह रोने की आवाज की आहट लेते हुए किचन तक जा पहुंची। वहां उन्हें फ्रिज से रोने की आवाज लगी। सास ने फ्रिज खोलकर देखा, तो उसमें ब'चा था। दादी ने बच्चे को बाहर निकाला। फिर ब'चे के दादा और पिता को इस बारे में बताया। गुस्से में तीनों लोग बहू के कमरे में पहुंचे, तो देखा वह गहरी नींद में सो रही थी। तीनों लोग यही सोच रहे थे कि बच्चा कैसे फ्रिज में पहुंचा? हालांकि, वे लोग बच्चे को लेकर डॉक्टर के पास पहुंचे। डॉक्टर ने चेकअप कर बताया कि ब'चा ठीक है। फिर परिवारवाले ब'चे को लेकर घर वापस आ गए। इतना सब होने के बाद भी बहू सोती रही। इस पर पति ने गुस्से में उसे उठाया। उससे पूछा कि बच्चा कहां है? महिला ने सीधा जवाब दिया- फ्रिज में है। महिला का जवाब सुनकर सब परेशान हो गए। इसके बाद परिवारवालों को लगा कि महिला पर ऊपरी हवाओं का असर है। इसके चलते महिला ने ऐसी हरकत की है। महिला को एडमिट किया गया है। उसका इलाज जारी है।

पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों का वोट चोरी कर रही भाजपाः जयवीर

मुरादाबाद। जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित मासिक कार्यकारिणी बैठक में जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि भाजपाई भ्रष्टाचार ने उत्तर प्रदेश को बदहाल कर दिया है उप्र की सम्पत्ति हो या देश की, बीजेपी सिर्फ़ बेच रही है। भाजपा को राष्ट्र की सम्पत्तियाँ बनाना नहीं आता सिर्फ़ और सिर्फ़ बेचना ही आता है।

लगता है जब पैसा कम पड़ गया तो उप्र सरकार ने अपने 'एक ट्रिलियन' के झूठे दावे में पैसे जोड़ने के लिए अब 'छत्तर मंज़िल' को अपने संगी-साथियों को खुफ़िया तरीके से गुपचुप बेच दिया है।

भाजपा राज में 'नारी वंदना' के जुमले का सच ये है कि नारी की असमत और अस्मिता के लिए कोई सुनवाई तक नहीं हो रही है, कार्रवाई तो बहुत दूर की बात है। जिस सरकार में 'आत्मदाह' के प्रयासों का रिकॉर्ड बन रहा है, उस भाजपा सरकार से अब निराशा के सिवा कुछ हासिल नहीं होगा। कहा कि भाजपाइयों को ज़मीन-क़ब्ज़ा, भ्रष्टाचार, से फ़ुर्सत नहीं है.भाजपा की सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की नकारात्मक राजनीति

अकूत पैसे कमाने की महाभ्रष्ट सोच किसान, मजदूर, युवा, महिला, नौकरी-कारोबार विरोधी नीतियाँ भाजपाइयों के किसी के सगे नहीं होने के हर दिन बढ़ते उदाहरण भाजपाइयों के हर स्तर व हर तरफ से भ्रष्ट-चारित्रिक पतन के आते समाचार व वीडियो भाजपा व उनके संगी-साथियों द्वारा संविधान व आरक्षण को पिछले दरवाज़े से खत्म करने की साज़िश भाजपा द्वारा अपने सहयोगी दलों का घोर अपमान, उपेक्षा व तिरस्कार पीडीए के लिए भाजपाइयों के मन में कूट-कूटकर भरी दुर्भावना पीडीए समाज के लिए है इसलिए भाजपा का जाना तय है। 2027 समाजवादी सरकार बनेगी प्रदेश अमन चैन स्थापित होगा उत्तर प्रदेश खुशहाली की और बढ़ेगा तभी जनता सुकून भरी राहत महसूस करेगी ये तभी होगा जब हम जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए कार्य करेंगे जनता के दुःख सुख मे शामिल होंगे क्योंकि आज गरीब, मजलूम, माध्यम वर्गीय व्यापारी हाथ का कारीगर, लघु व्यापारी,किसान, ब्राह्मण,सैनी , पाल, प्रजापति, कश्यप, अहीर, जाटव, बाल्मीकि,निषाद, लोधी, अल्पसंख्यक, दलित,अन्य जातियाँ अपने को असुरक्षित महसूस कर रहीं हैं और समाजवादी पार्टी की और देख रहीं हैं क्योंकि उनका वोट चोरी हो रहा है और उन पर जबरदस्ती राज करने की देश और प्रदेश मे एक साजिश चल रही ऐसी वोट चोरी की ऐसी साजिशों को हमें बेनक़ाब करना हैं जिससे उनका पुनः राज क़ायम हो ये तभी संभव है जब सर्वसमाज की हितेषी समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।बैठक मे जिला अध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, महासचिव फुरकान अली, वेदप्रकाश सैनी नाजिम सैफी, धर्मेंद्र यादव,वसीम कुरैशी, बासु गुप्ता, हारून पाशा, नवीन यादव, अतिकुरहमान, अताउरहमान, हरपाल सिंह यादव, सरदार पाल, जय कुमार प्रजापति, राजेश्वरी यादव, प्रेमबाबू वाल्मीकि, तहजीब आलम, नौशाद पाशा, शंकरलाल सैनी,सुरेंद्र शर्मा, केदार सिंह,गौरव चौहान, नन्हे सिंह, जुनैद अशरफी, बालकिशन शर्मा, हिमांशु सैनी राशिद मलिक, खुर्शीद अहमद, आरिफ खान, संजय सिंह मो.कादिर, मो. फारूक, माजिद अली, भूरा कुरैशी शारिक कुरैशी, प्रवीण सैनी, महेंद्र सिंह,जोगेंद्र सिंह, इफ्तेखार अली, मो इरफ़ान आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

दौड़ प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

बिलारी।

क्षेत्र के ग्राम मोहम्मद इब्राहिमपुर में अफजाल एजुकेशनल एंड सोशल ट्रस्ट मोहम्मद इब्राहिमपुर के तत्वाधान में आयोजित मोहम्मद इब्राहिमपुर दौड़ प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के आयोजक अफजल हायर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक कमर हसन ने सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। दौड़ प्रतियोगिता 400 मीटर, 800 मीटर, 1200 मीटर, 1600 मीटर की हुई। दौड़ प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से छिपी प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलता है। इस अलावा खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और सुधारने का अवसर मिलता है। छोटे से बड़े स्तर की प्रतियोगता में जाने का अवसर मिलता है। कहा कि प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को केवल जीतने का अवसर नहीं देती, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्म विश्वास और सफलता की दिशा भी दिखाती है। 400 मीटर की दौड़ में मोहम्मद शाद, मोहम्मद फराज और मोहम्मद रिहान क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। 800 मीटर

विजेता खिलाड़ियों को विधायक ने ट्रॉफी देकर किया पुरस्कृत

दौड़ में मोहम्मद अमन, मोहम्मद रजा और मोहम्मद फरदीन क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। 1200 मीटर की दौड़ में मोहम्मद फरदीन, मोहम्मद अमन और शाने आलम क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। 1600 मीटर की दौड़ में रजत, विष्णु और मुकुल यादव क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेता खिलाड़ियों को सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने ट्राफी और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। इस दौरान में मुख्य रूप से हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, मोहम्मद आयाज एडवोकेट, रूबेद, आलम पाशा, आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता आयोजन में मोहम्मद नाजिम, सुभाष सिंह, गुड्डू, मो उमर, नौशाद अली, मो शाकिब, वसीम अकरम, वासिक, नसीम अख्तर, रूबेद पाशा, मो कैफ, वाजिद हुसैन, अजीम पाशा आदि समेत सभी गांव वालों का सहयोग रहा।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य शुभारम्भ

मुरादाबाद।

सर्वप्रयास सीता रसोई ट्रस्ट के तत्वाधान में बुद्धि विहार स्थित चॉइस बैंक्वेट हाल में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य- शुभारम्भ किया गया। चंद्रग्रहण के कारण आज की कथा का वाचन प्रातः 10 बजे से किया गया जिसमें कथा व्यास श्रधेय व्योम त्रिपाठी के श्रीमुख से सर्वप्रथम रामचरित मानस की महिमा का सुंदर वर्णन किया गया तत्पश्चात शिव पार्वती विवाह का व्रतांत का श्रवण कराया गया। कथा व्यास जी ने बताया कि सर्वप्रयास सीता रसोई ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष पितृपक्ष में ये जो धार्मिक कथा आयोजन किया जाता है इसका अत्यंत ही विशेष धार्मिक महत्व है। सनातन धर्म मे जिस प्रकार से पितृपक्ष में सभी लोग अपने अपने पितरों को विभिन्न माध्यमों से श्रधांजलि अर्पित करते हैं उसी तरह से सीता रसोई द्वारा पितृ-पक्ष में कराई जाने वाली ये कथा भी पितरों के लिये एक प्रकार से कथांजली है जिससे समस्त पितरों को अत्यंत ही प्रसन्नता का अनुभव होता है। कथा के अंतिम चरण में जब शिव-पार्वती विवाह की सजीव झांकी निकाली गयी तो कथा स्थल पर उपस्थित जनसमूह को अपनी भावनाओं को काबू में रखना अत्यंत ही मुश्किल हो गया , हर कोई मानो शिव पार्वती के सजीव रूपों के चरण वंदन कर उनका आशीर्वाद लेकर अपना जीवन धन्य करने की होड़ में था।कथा विश्राम के पश्चात उपस्थित जनसमूह को व्यास पीठ से प्रसाद वितरण किया गया।इससे पूर्व सुबह के सत्र में प्रातः 7 बजे से दैनिक पूजन में मुख्य यजमान सुनील/शालिनी शर्मा व दैनिक यजमान में संजीव/जूही शर्मा जी तथा पुनीत/ नीतू अग्रवाल जी उपस्थित रहे जिसमे समस्त देवी देवताओं का आवाहनं किया गया तथा नौ-दिवसीय

शिव-पार्वती विवाह की झांकी रही आकर्षण का केन्द्र

श्रीराम कथा के इस आयोजन को सफल बनाने की प्रार्थना की गई।आज की कथा में संस्था से जुड़े हुये समस्त सदस्यगण/पदाधिकारी उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष उदयभान सिंह ने बताया कि चंद्रग्रहण की वजह से आज की कथा के समय को परिवर्तित किया गया था , कल 8 सितंबर से दैनिक कथा अपने नियत समय अपराह्न 3 बजे से प्रारम्भ होगी।

बाढ़ ने दी मानसिक व शारीरिक चोट... बर्बाद हो गई फसलें, मच्छर और जलजनित बीमारियों का खतरा

नई दिल्ली । बाढ़ के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जल और मच्छर जनित सहित कई दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यमुना का पानी अब धीरे-धीरे उतर रहा है। ऐसे में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, हैजा, त्वचा और श्वसन संबंधी बीमारियों की चपेट में लोगों के आने की संभावना बढ़ गई है। सफदरजंग अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ. जुगल किशोर ने कहा कि बाढ़ के आने और उसका पानी उतरने पर कई तरह की समस्या देखने को मिलती है। बाढ़ में सांप और दूसरे कीड़े-मकोड़े के काटने की घटना बढ़ जाती है। बाढ़ से कुत्ते भी हमलावर होकर काट लेते हैं। बाढ़ की चपेट में आने पर व्यक्ति को डायरिया और आई फ्लू हो जाता है। जब बाढ़ का पानी कम होने लगता है तो मच्छर जनित बीमारियों के होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही बाढ़ से प्रभावित ऐसे लोग जो पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे होते हैं दवा का सेवन न करने की वजह से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में लोग साफ-सफाई का जरूर ध्यान रखें। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। शुक्रवार रात 9 बजे कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने पुराने रेलवे पुल के पास स्थित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से उस गोशाला का भी दौरा किया जहां बाढ़ के पानी में फंसी मवेशी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार की टीमें और अधिकारी मौके पर तैनात हैं। रात 11 बजे के बाद गाड़ियों की मदद से इन पशुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। बाढ़ प्रभावित लोगों व पशुओं दोनों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। गोशाला में फंसे बछड़े और गायों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने गोरक्षा दल के युवाओं की सेवा भावना की सराहना की जो लगातार तीन दिनों से गोशाला में फंसे पशुओं की देखभाल कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जहां पशुओं को बाहर निकालना संभव नहीं है वहां उनके भोजन और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, टेंट और अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। यमुना में उफान आने से न केवल लोग बेघर हुए हैं बल्कि किसानों की सारी फसलें भी बर्बाद हो गई हैं। इससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में यमुना खादर, चिल्ला, पुराना उस्मानपुर, गढ़ी मांडू और सोनिया विहार के किसान यमुना का जलस्तर कम होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह फिर से खेतों में लौटकर नई फसलें लगा सकें। यमुना खुश क्षेत्र में किसानों ने अधिकतर सब्जी की फसलें उगाई थीं। इनमें बैंगन, भिंडी, लौकी, मूली, गाजर, टमाटर, गोभी, मटर, आलू, प्याज और मिर्च समेत अन्य फसलें शामिल थीं। किसानों ने बताया कि वह फसलें उगाने के लिए जमीन को पट्टे पर लेते हैं। इसके लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बैंकों से लोन लेते हैं। उनका कहना है कि उगाई हुई फसलों में से कुछ हिस्सा वह अपनी जरूरतों के मुताबिक रख लेते हैं, बाकी कि फसलें वह पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-1, मयूर विहार फेस-2, पांडव नगर, त्रिलोकपुरी, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, गाजीपुर अनाज मंडी व अन्य इलाकों में बेच देते हैं। फसल बेचकर जो पैसे आते हैं, उसी से ब्याज और उधार के पैसे देते हैं लेकिन बाढ़ ने सब कुछ बर्बाद कर दिया है। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज़ क्षेत्र में आई बाढ़ ने दिल्ली वालों को मानसिक के साथ शारीरिक चोट भी पहुंचाई है। अपने आशियाने के साथ जमा-पूंजी बचाने के दौरान लगी चोटें शायद ही वह कभी भुला पाएं।

सुबह से रात तक भाजपा की कार्यशाला में डटे रहे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला जारी है। कल इस बैठक में एनडीए दलों के सांसद भी शामिल होंगे। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी समापन समारोह में अपना भाषण भी देंगे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कल के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि भाजपा सांसदों का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। यह बहुत व्यवस्थित है और हमेशा की तरह भाजपा की संस्कृति बेहद पेशेवर है। हमारे सांसदों ने आज सुबह 8 बजे से पूरे दिन प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया। प्रधानमंत्री सुबह से रात तक सभी प्रशिक्षण सत्रों में मौजूद रहे। पीएम मोदी आखिरी कतार में सामान्य कार्यकर्ता की तरह बैठे। वह सांसदों की ओर से दी जा रही प्रस्तुतियों को

भाजपा की यह दो दिवसीय कार्यशाला के सत्र विभिन्न मुद्दों पर केंद्रित हैं, जिनमें सांसदों के कार्य और सरकार की सफलताओं पर प्रकाश डाला जाएगा। कार्यशाला का पहला दिन सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दो सत्र आयोजित किए गए।

ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

जीएसटी सुधार को लेकर हुआ पीएम का सम्मान

इससे पहले, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी जीएसटी सुधार से संबंधित एक प्रस्ताव पेश किया, जिसका सांसदों ने समर्थन किया। प्रस्ताव में जीएसटी सुधार के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया गया। पीएम मोदी की तस्वीर साझा करते हुए गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने लिखा, यह भाजपा की ताकत है कि यहां हर कोई कार्यकर्ता है। वहीं, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से बातचीत की और उन्हें जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, संगठन और राष्ट्रीय हित पर दूरदर्शी मार्गदर्शन दिया। बाद में पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दिल्ली के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में सांसद कार्यशाला में शामिल हुआ। पूरे भारत से आए सांसद सहयोगियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विविध मुद्दों पर अपने बहुमूल्य विचारों का आदान-प्रदान किया। हमारी पार्टी में, सांसद कार्यशाला जैसे मंच महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये एक-दूसरे से सीखने और इस बात पर विचार-विमर्श करने के बेहतरीन मंच हैं कि हम लोगों की और बेहतर सेवा कैसे कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित पंजाब का करेंगे दौरा

नई दिल्ली ।

पंजाब इन दिनों भयंकर बाढ़ की चपेट में है. राज्य के 23 जिलों के 1,996 गांव पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं. इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है और 1.75 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं. भारी बारिश के कारण रावी, सतलुज और ब्यास नदियों में उफान आया, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई. सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित जिले गुरदासपुर का दौरा करेंगे. वे प्रभावित लोगों और किसानों से सीधे मिलेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला अधिकारी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं. अब तक 22,854 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है. राज्यभर में 200 राहत

शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां 7,000 से अधिक विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं. पोंग डैम का जलस्तर 1,394.19 फीट तक पहुंच गया है, जो ऊपरी सीमा से चार फीट ऊपर है. भाखड़ा डैम का जलस्तर 1,678.14 फीट दर्ज किया गया. घग्गर नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान 750 फीट से ऊपर पहुंच चुका है. राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इसे पांच दशकों की सबसे गंभीर बाढ़ बताया. उन्होंने कहा कि भारी बारिश से पंजाब और पड़ोसी पहाड़ी राज्यों में करीब 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं. कुल 3.87 लाख लोग प्रभावित हुए हैं. जिले में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की तेज बहाव में मौत हो गई. बाढ़ से 18 जिलों में व्यापक कृषि नुकसान हुआ है. इसके अलावा घर, पशु और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है. अधिकारी बता रहे हैं कि राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं. 24 एनडीआरएफ टीमें और एसडीआरएफ की दो टीमें 144 नावों के साथ बचाव अभियान में जुटी हैं. राज्य में राहत एवं बचाव कार्य के साथ-साथ जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. अधिकारियों ने बताया कि पोंग और भाखड़ा डैम में जल प्रवाह को नियंत्रित करने के उपाय किए जा रहे हैं. पंजाब की यह बाढ़ अब तक की सबसे गंभीर और व्यापक आपदा में से एक मानी जा रही है, और राहत कार्य जारी हैं.

आपदा पर सियासत!

'आप मंत्री चीमा बोले- राहत पैकेज की घोषणा क्यों नहीं की अब तक

'23 जिलों में बाढ़, दो हजार गांव डूबे, अब तक 46 की मौत.

महाराष्ट्र में गणेश विसर्जन पर छाया मातम, करंट और पानी में डूबने से 5 की मौत, 13 लोग हुए लापता

मुंबई । रविवार को मुंबई में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान बिजली का झटका लगने से 36 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पाँच अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना साकीनाका के खैरानी रोड पर सुबह करीब 10.45 बजे हुई, जब एक लटकता हुआ बिजली का तार गलती से गणपति की मूर्ति को छू गया। स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मूर्ति के पास खड़े छह श्रद्धालुओं को बिजली के झटके लगे। स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के निजी अस्पतालों में पहुँचाया, जबकि एक व्यक्ति को नगर निगम द्वारा संचालित सेवन हिल्स अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बिनु सुकुमारन कुमारन (36) को मृत घोषित कर दिया। बाकी पाँच लोगों, सुभांशु कामत (20), तुषार गुप्ता (20), धर्मराज गुप्ता (49), करण कनौजिया (14) और अनुष गुप्ता (6) को पैरामाउंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई गई है। इसके अलावा महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में गणेश उत्सव के समापन के बाद मूर्तियों के विसर्जन के दौरान कम से कम चार लोग डूब गए और 13 अन्य लापता हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुणे जिले के चाकन क्षेत्र में तीन अलग-अलग घटनाओं में चार लोग अलग-अलग जलाशयों में बह गए। उन्होंने कहा कि दो लोग वाकी खुर्द में भामा नदी में और एक शेल पिंपलगांव में बह गया तथा एक अन्य व्यक्ति पुणे ग्रामीण के बिरवाड़ी में एक कुएं में गिर गया। अधिकारी ने बताया कि चार लोगों में से दो के शव अब तक बरामद कर लिए गए हैं तथा अन्य दो की तलाश जारी है। नांदेड़ जिले के गडेगांव में एक नदी में तीन लोग बह गए। पुलिस ने बताया कि बाद में एक व्यक्ति को बचा लिया गया और अन्य दो की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि नासिक में चार लोग इसी तरह की त्रासदी का शिकार हुए और उनमें से एक का शव सिन्नार में बरामद किया गया।

पिछली सरकारों के शासन में यूपी के युवाओं के सामने था पहचान का संकट- मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले राज्य के युवाओं के सामने पहचान का संकट था और राज्य को बीमारू राज्य करार दिया जाता था। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में राज्य द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के लिए नव-चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

हम पर बीमारू राज्य का ठप्पा लगा दिया गया – सीएम योगी

आदित्यनाथ ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा, जब आप अपने स्कूलों और पॉलिटेक्निक में थे तो आपने अनुभव किया होगा कि उत्तर प्रदेश के साथ दो चीजें जुड़ी हुई थीं। पहली, जब उत्तर प्रदेश के युवा राज्य से बाहर जाते थे तो लोग उन्हें हीन नजरों से देखते थे। उन्हें पहचान के

संकट का सामना करना पड़ता था। परिणामस्वरूप उनके मन में हीन भावना विकसित हो जाती थी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, हम पर बीमारू राज्य का ठप्पा लगा दिया गया... इसका मतलब था देश के विकास में बाधा।

एक बड़ा राज्य जो संसाधनों से भरपूर है, एक ऐसा राज्य जहां भगवान भी किसी न किसी अवतार में आए, ऐसा राज्य बीमारू हो गया और उसे पहचान के संकट का सामना करना पड़ा?

बीमारू शब्द देश के कुछ सबसे गरीब राज्यों के नामों के पहले अक्षरों से बना

उन्होंने कहा कि बीमारू शब्द का प्रयोग जनसांख्यिकीविद् आशीष बोस ने 1980 के दशक के मध्य में किया था।

यह नाम देश के कुछ सबसे गरीब राज्यों - बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के नामों के पहले अक्षरों से बना था। आदित्यनाथ ने दावा किया कि पहले जब त्योहारों के समय उत्साह का माहौल दिखना चाहिए था उस समय लोगों के मन में डर होता था कि पता नहीं कब दंगे हो जाएं।

पिछले आठ सालों में यूपी बना देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले आठ वर्षों में हम उस राज्य को सातवीं और आठवीं अर्थव्यवस्था से देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सफल रहे हैं। हम बीमारू राज्य के ठप्पे को उखाड़ फेंकने में सफल रहे हैं और आज हमने उत्तर प्रदेश को भारत के विकास के इंजन के रूप में स्थापित किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसा राज्य की 25 करोड़ जनता, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर घटा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी के पुराने रेलवे पुल पर रविवार सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर 205.56 मीटर दर्ज किया गया जो निकासी (लोगों के सुरक्षित निकाले जाने) के लिए निर्धारित 206 मीटर के निशान से नीचे है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी के लिए चेतावनी का निशान 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है और लोगों को निकालने का काम 206 मीटर पर शुरू होता है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख निगरानी बिंदु के रूप में काम करता है। पिछले कुछ दिनों में, नदी के किनारे के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। नदी के पास निचले इलाकों से निकाले गए लोगों के अस्थायी आवास के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और मयूर विहार इलाकों में टेंट लगाए गए हैं। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से 51,335 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

-: कोलकाता में खौफनाक वारदात :-

20 वर्षीय युवती का अपहरण कर दोस्तों ने किया गैंगरेप, आरोपियों की तलाश जारी

नई दिल्ली। बंगाल में एक बार फिर गैंगरेप की घटना सामने आई है। मामला दक्षिणी कोलकाता के हरिदेवपुर इलाके का है। यहां रहने वाली एक 20 साल की युवती के साथ उसके दो परिचितों ने दुष्कर्म किया। जब बदहवास हालत में युवती घर पहुंची, तो परिजनों को इसकी जानकारी दी। शनिवार की रात परिजनों ने नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोप है कि दोनों युवकों ने युवती को उसका जन्मदिन मनाने के लिए बुलाया था। इसके बाद दोनों ने उसके साथ रेप किया।

कुछ महीने पहले हुई थी मुलाकात

जानकारी के मुताबिक, युवती का संपर्क कुछ महीनों पहले चंदन मलिक नाम के एक शख्स से हुआ था। उसने खुद को दक्षिण कोलकाता में एक बड़ी दुर्गा पूजा समिति का प्रमुख बताया था। इसके बाद चंदन ने युवती की मुलाकात दीप नाम के दूसरे शख्स से कराई थी। आरोप है कि दोनों ने युवती को पूजा समिति में शामिल कराने की बात कहकर झांसे में लिया था। दोनों आरोपी अक्सर युवती से बात करते थे। शुक्रवार को युवती का जन्मदिन था। चंदन और दीप ने पीड़िता को उसका बर्थडे मनाने की बात कहकर दक्षिण कोलकाता के रीजेंट्स पार्क इलाके में एक फ्लैट में ले गए। यहां पहले उन्होंने खाना खाया और फिर जब लड़की ने घर जाने की बात कही, तो आरोपियों ने दरवाजा बंद कर दिया और फिर उसका सामूहिक बलात्कार किया। महिला किसी तरह वहां से बचकर भागने में कामयाब रही। उसने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना शुक्रवार को हुई, लेकिन शनिवार रात इसकी शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने कहा कि हरिदेवपुर इलाके से सामूहिक बलात्कार की शिकायत मिली है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कर्नाटक 'मतदाता धोखाधड़ी' मामले में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा रहा निर्वाचन आयोग: खरगे

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन आयोग पर रविवार को ''अहम जानकारी छिपाने'' का आरोप लगाया और दावा किया कि यह कथित 'वोट चोरी' के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। खरगे ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले फॉर्म सात में जालसाजी कर मतदाताओं को हटाने के प्रयास से संबंधित मामला ठंडा पड़ गया है क्योंकि निर्वाचन आयोग ने अब तक आरोपियों को पकड़ने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण आंकड़े साझा नहीं किये हैं। निर्वाचन आयोग ने फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन उसने अतीत में कांग्रेस के ऐसे सभी दावों को निराधार बताया था। खरगे ने प्रश्न किया, '' क्या निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब भाजपा का 'वोट चोरी' का अड्डा बन गया है?'' उन्होंने कहा,'' इस घटनाक्रम को समझिए। मई 2023 के कर्नाटक चुनावों से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। फॉर्म सात में जालसाजी कर एक बेहद जटिल प्रक्रिया के जरिए हजारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिए गए।'' खरगे ने कहा, ''फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदन सामने आए जो मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का स्पष्ट प्रमाण था। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया।''

खरगे ने कहा, '' लेकिन दिक्कत यहां है जहां आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए जरूरी दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था, वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी छिपा ली है और 'वोट चोरी' के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है।'' उन्होंने पूछा कि निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों छिपाया? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' आयोग किसे बचा रहा है? भाजपा के 'वोट चोरी' विभाग को? क्या आयोग भाजपा के दबाव में आ रहा है ताकि सीआईडी जांच को पटरी से उतारा जा सके?'' खरगे ने कहा कि व्यक्ति के वोट देने के अधिकार और भारतीय लोकतंत्र की रक्षा की जानी चाहिए।

जल भराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए टोहाना पहुंचे सीएम सैनी, बलियाला हैड का किया निरीक्षण

टोहाना ।

जल भराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी टोहाना पहुंचे और उनके द्वारा टोहाना इलाके के बलियाला हैड का निरीक्षण किया गया। उसके बाद मुख्यमंत्री चांदपुर हैड का निरीक्षण करने के लिए रवाना हो गए यह सभी इलाके बाढ़ संभावित क्षेत्र है। इसी दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत की और कहा कि प्राकृतिक आपदा के आगे किसी का जोर नहीं चलता। भारी बारिश के चलते यह प्राकृतिक आपदा आई है। उन्होंने कहा कि पंजाब की हालात सबके सामने है। हरियाणा भी पंजाब की मदद कर रहा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि राज्य में 9.96 लाख एकड़ फसल के नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति का दावा करने के लिए कुल 1.69 लाख किसानों ने वेब पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। किसानों को जलभराव और हाल ही में आई बाढ़ से

हरियाणा में 1.69 लाख बाढ़ प्रभावित किसानों ने फसल नुकसान के दावे के लिए किया पंजीकरण: सैनी

हुई फसल क्षति के लिए दावा दर्ज करने में सुविधा प्रदान करने को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खुला रखा गया है। इस पोर्टल के माध्यम से किसान अपनी फसलों को हुए नुकसान का विवरण अपलोड कर सकते हैं और मुआवजे का दावा दायर कर सकते हैं। सैनी ने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से उन किसानों के साथ खड़ी है जो हरियाणा के कई हिस्सों में बाढ़ के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। रविवार को पंचकूला में मुख्यमंत्री ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सैनी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग राजनीति करते हैं। लेकिन लोगों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।'' एक सवाल के जवाब में सैनी ने कहा कि हरियाणा के निचले इलाकों में जलभराव है। उन्होंने कहा, मैंने कल कई लोगों से मुलाकात की और आज भी मैं और लोगों से मिल रहा हूं। मैंने सभी से इस प्राकृतिक आपदा का मिलकर सामना करने की अपील की है। सैनी ने कहा,''ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से 1,69,738 किसानों ने 9,96,701 एकड़ भूमि पंजीकृत कराई है। पोर्टल खुला है। हम किसानों के साथ हैं।

भारत ने चौथी बार हॉकी एशिया कप जीता

साउथ कोरिया को 4-1 से फाइनल हराया; वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई किया

राजगीर । भारत ने मेंस हॉकी एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को टीम इंडिया ने साउथ कोरिया को 4-1 से फाइनल हराया। भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता। इस जीत के साथ भारत ने 2026 के वर्ल्ड कप में भी जगह बना ली। भारत से फाइनल मैच के पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दाग दिया था। दूसरे क्वार्टर में

फिर दिलप्रीत सिंह ने गोल दागा और भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दिलप्रीत ने एक और गोल किया। चौथे क्वार्टर में अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और भारत को 4-0 से आगे कर दिया। साउथ कोरिया से सोन डायन ने इकलौता गोल किया। टीम इंडिया ने 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया को फाइनल हराकर चौथी बार टाइटल जीता। भारत ने 2017 में मलेशिया को फाइनल हराकर आखिरी बार एशिया कप जीता था। कोरिया दूसरी बार ही रनर-अप रही। टीम को 2007 में भी भारत ने ही फाइनल हराया था।